-540-

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

भाषा संकाय

<u>हिंदी विभाग</u>

24 सितम्बर 2021 को आयोजित आठवीं पाठ्यसमिति (BOS-8) की बैठक का कार्यवृत्त

हिन्दी विभाग की आठवीं पाठ्य समिति (BOS-8_)की बैठक दिनांक 24 **सितम्बर** 2021 को हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के धौलाधार परिसर-एक, धर्मशाला में प्रातः 10.30 बजे आयोजित हुई |आभासीय मंच (ऑनलाइन) से इस बैठक का प्रारम्भ सदस्यों के स्वागत से हुआ | विभाग के संयोजक एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष डॉ. नण्डूरी राज गोपाल जी ने सदस्यों का औपचारिक स्वागत किया |

इस बैठक में निम्नलिखित सम्माननीय सदस्य उपस्थित थे :

1. डॉ. नण्डूरी राज गोपाल , संयोजक एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष (उपस्थित)
2. डॉ. बृहस्पति मिश्र, संकाय प्रमुख (उपस्थित)
3. प्रो. ओमप्रकाश सारस्वत,बाहय विशेषज्ञ एवं सेवानिवृत्त प्रोफेसर (हिंदी) हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय,शिमला (उपस्थित)
4. डॉ. नण्डूरी राज गोपाल, माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य (उपस्थित)
5. प्रो. संजीव गुप्ता, विशेष आमंत्रित सदस्य, प्रबंधन संकाय, हि.प्र.के.विश्वविद्यालय (उपस्थित)
6. डॉ. चंद्रकांत सिंह, प्राध्यापक सदस्य (हिंदी), हि.प्र.के.विश्वविद्यालय (उपस्थित)
7. एक सदस्य विशेष कारणों से अनुपस्थित थे –
   प्रो. भूपेन्द्र राय चौधरी, बाहय विशेषज्ञ एवं सेवानिवृत्त प्रोफेसर (हिंदी) गौहाटी विश्वविद्यालय,असम (अनुपस्थित

इस मीटिंग में, प्रत्येक एजेंडा आइटम अध्यादेश संख्या 4 (केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा 23 क़ानून 16 (2) के तहत तैयार किया गया था जिसे बोर्ड ऑफ़ स्टडीज के सदस्यों की सर्वसम्मति द्वारा बोर्ड के संविधानानुसार अनुमोदित एवं पारित किया गया |

<u>विषय क्र. एच.आईएल/बीओएस/8.1:</u>

15 **मार्च** 2021 को हुई बीओएस की सातवीं बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन (संलग्नक-1)

कार्यवाही : माननीय विभागाध्यक्ष ने सातवीं बी.ओ.एस के कार्यवृत्त को समिति के सदस्यों के सामने पढ़कर सुनाया जिसका अनुमोदन किया गया |

विषय क्र. एचआईएल/बीओएस/8 .2:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी) के अनुरूप नवीन पाठ्यक्रमों का विश्लेषण एवं अनुमोदन (संलग्नक-2)

कार्यवाही

सभी पाठ्यसमिति के सदस्यों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप नवीन पाठ्यक्रमों पर गहन विचार-विमर्श किया । संकायाध्यक्ष डॉ. बृहस्पति मिश्र जी ने सैद्धांतिक तौर पर पाठ्यक्रमों के अनुमोदन पर बल दिया साथ ही व्यवहारिक तौर पर पूर्ण पाठ्यक्रमों को समिति के पटल पर रखने का परामर्श दिया | प्रो. ओम प्रकाश सारस्वत जी ने संकायाध्यक्ष का समर्थन किया एवं सैद्धांतिक अनुमोदन की स्वीकृति दी | डॉ. बृहस्पति मिश्र जी ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अनुपालना हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देश का भी पाठ्यक्रम निर्माण के समय यथोचित ध्यान दिया जाए |

विषय क्र. एचआईएल/बीओएस/8.3:

कोई भी अतिरिक्त विषय जो कि अध्यक्ष की अनुमति के उपरांत ही चर्चा के लिए उठाया जा सकता है जिसके चर्चा की संभावना हो|

कार्यवाही:

समिति के सदस्यों ने किसी अन्य विषय को न उठाते हुए शीघ्र सारे पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पढ़ाए जाने की बात की |कार्यक्रम के अंत में डॉ. चंद्रकांत सिंह ने सभी समिति सदस्यों के प्रति आभार ज्ञापन किया |

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

भाषा संकाय

हिंदी विभाग

15 मार्च, 2021 को आयोजित सातवीं पाठ्यसमिति की बैठक का विवरण

हिन्दी विभाग की सातवीं पाठ्य समिति की बैठक दिनांक **15 मार्च, 2021** को हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के धौलाधार परिसर-एक, धर्मशाला में दोपहर 01.00 बजे आयोजित हुई | ऑनलाइन इस बैठक का प्रारम्भ सदस्यों के स्वागत से हुआ | विभाग के संयोजक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि ने सदस्यों का औपचारिक स्वागत किया |

इस बैठक में निम्नलिखित सदस्य आमंत्रित थे :

1. डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि - संयोजक एवं विभागाध्यक्ष (उपस्थित) 15.3.20
2. डॉ. बृहस्पति मिश्र, संकाय प्रमुख (उपस्थित) 15-3-2021
3. प्रो. ओमप्रकाश सारस्वत - बाह्य विषय-विशेषज्ञ, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिंदी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला (उपस्थित)
4. प्रो. भूपेन्द्र राय चौधरी- बाह्य विषय-विशेषज्ञ, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय,गौहाटी, असम (अनुपस्थित)
5. प्रो. बल्देव भाई शर्मा – माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य (उपस्थित)
6. प्रो. रोशनलाल शर्मा - विशेष आमंत्रित सदस्य (अनुपस्थित)
7. प्रो. संजीव गुप्ता- विशेष आमंत्रित सदस्य (अनुपस्थित)
8. डॉ. चन्द्रकान्त सिंह – प्राध्यापक सदस्य (उपस्थित)

(विभागीय बैठक प्रारूपण कार्य- डॉ प्रिया शर्मा)

इस मीटिंग में, प्रत्येक एजेंडा आइटम अध्यादेश संख्या 4 (केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा 23 क़ानून 16 (2) के तहत तैयार की गई थी जिसे बोर्ड ऑफ़ स्टडीज के सदस्यों की सर्वसम्मति द्वारा बोर्ड के संविधानानुसार हल किया गया |

विषय क्र. एच.आईएल/बीओएस/7.1:

- छठी बी.ओ.एस. की कार्यवृत का अनुमोदन किया गया |

विषय क्र. एच.आईएल/बीओएस/7.2:

गत वर्ष (7.2.2020) पाठ्यक्रमों में हुए परिवर्तन का अवलोकन ।

कार्यवाही

सभी पाठ्यसमिति के सदस्यों ने गत वर्ष के पाठ्यक्रमों का अवलोकन करके विचार - विमर्श किया ।

विषय क्र. एचआईएल/बीओएस/7.3:

हिंदी विभाग के नवीन पाठ्यक्रमों की संस्तुति हेतु (संलग्नक-1)

कार्यवाही:

हिंदी विभाग के नवीन इक्कीस पाठ्यक्रमों की संस्तुति हेतु चर्चा हुई। सभी माननीय सदस्यों को हिंदी विभाग के अध्यक्ष ने नवीन पाठ्यक्रमों को पढ़ कर सुनाया। पाठ्यक्रमों में जहाँ परिवर्तन की आवश्कता थी, माननीय सदस्यों द्वारा वहाँ संशोधन किया गया ताकि विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम सरल और सुपाठ्य हो सके । पूर्वोतर से संबंधित पाठ्यक्रम के सन्दर्भ में आदरणीय प्रो. सारस्वत जी ने उसकी मूलभूत समस्याओं की ओर इशारा किया और विद्यार्थियों को मूल पाठ उपलब्ध कराने हेतु विभाग की आश्वस्ति माँगी । माननीय सदस्यों द्वारा पूर्वोत्तर साहित्य से संबंधित कतिपय सुझाव दिए गए । लोक साहित्य का पाठ्यक्रम विस्तृत हो गया था, जिसे संक्षिप्त एवं व्यवस्थित किया गया।

अध्यक्ष

हिन्दी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप संशोधित पाठ्यक्रम (संलग्नक -2)

प्रथम सेमेस्टर				
क्रम सं	कोर्सकोड	कोर्स नाम	क्रेडिट	प्रध्यापकनाम
1	IKS	भारतीय ज्ञान परम्परा-	2	RKU
2	HIL 465	अनुवाद प्रौद्योगिकी	4	OP
3	HIL466	हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	4	OP
4	HIL467	हिंदी साहित्य का इतिहास	4	PS
5	HIL 468	हिंदी काव्य प्राचीन से : आधुनिक	4	CKS
6	HIL 469	हिंदी नाट्य साहित्य	2	PSH

द्वितीय सेमेस्टर				
क्रम सं	कोर्सकोड	कोर्सनाम	क्रेडिट	प्रध्यापकनाम
1	IKS	भारतीय ज्ञान परम्परा-	2	RKU
2	HIL 470	प्रयोजनमूलक हिंदी	2	OP
3	HIL 471	हिंदी पत्रकारिता	4	OP
4	HIL 472	हिंदी कथा साहित्य	4	PS
5	HIL 473	साहित्यशास्त्र और आलोचना	4	CKS
6	HIL 474	हिंदी निबंध एवं गद्य विधाएँ	4	PSH

तृतीय सेमेस्टर				
क्रम सं	कोर्सकोड	कोर्सनाम	क्रेडिट	प्रध्यापकनाम
1	HIL 475	शोध प्रविधि	4	OP
2	HIL 476	टूल डेवलपमेंट पदबंध -शब्द) (अर्थ निर्धारक	4	OPCKS/
3	HIL 477	हिंदी भाषा में शोध अध्ययनों का बहु आयामी विश्लेषण	4	OPCKS/
4	HIL 478	साहित्य समीक्षा	4	CKS/PSH/PS/RKU/OP
5	HIL 479	लघु शोध प्रबंध	4	CKS/PSH/PS/RKU/OP

चतुर्थ सेमेस्टर				
क्रम सं	कोर्सकोड	कोर्सनाम	क्रेडिट	प्रध्यापकनाम
1	HIL 480	सृजनात्मक लेखन	4	CKS/PSH/PS/RKU/OP
2	HIL 481	राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेखन एवं पत्र वाचन-	4	CKS/PSH/PS/RKU/OP
3	HIL 482	हिंदी भाषा में शोध अध्ययनों का बहु आयामी विश्लेषण	4	OP
4	HIL 483	लघु शोध प्रबंध	4	PSH/CK/PS/OP/RKU
5	HIL 484	मौखिकी	4	PSH/CK/PS/OP/RKU

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र में % 50सैद्धांतिक %10 व्यावहारिक एवं %40 ,स्किल आधारित (कौशल विकास)पाठ्यक्रम होंगे |
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र में %90ऑफ़ लाइन एवं %10ऑन लाइन शिक्षण होगा |
3. दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार की जायेगी |

डॉ. नण्डूरी राज गोपाल
कार्यकारी विभागाध्यक्ष (हिंदी)

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

मानविकी एवं भाषा संकाय

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-1

पाठ्यक्रम शीर्षक - हिंदी साहित्य में भारतीय ज्ञान परंपरा

पाठ्यक्रम कूट संकेत - आई.के.एस. (IKS)श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1हिंदी साहित्य में भारतीय ज्ञान परंपरा: एक परिचय

1. भारतीय जीवन दर्शन: अभिप्राय
2. संस्कृति और सभ्यता: अर्थ एवं परिभाषा
3. भारतीय संस्कृति के मूल आधार

इकाई-2 मध्यकालीन ज्ञान परंपरा: एक परिचय

1. निर्गुण संतों का लोकधर्म
2. सगुण संतों का लोकधर्म
3. मानवमात्र के प्रति समभाव

इकाई-3 रीतिकालीन ज्ञान परंपरा: प्रमुख संवाहक

क) महाकवि बिहारी: एक मूल्यांकन

ख) गुरु गोविंद सिंह जी का समाज से जुड़ाव

ग) कवित्व, भक्ति एवं शक्ति की त्रिवेणी

इकाई-4 हिंदी साहित्य मेंधर्म एवं आचरण की संस्कृति

1. धर्म एवं आचरण: तात्विक विवेचन
2. धर्म और पुरुषार्थ
3. लोक शिक्षा

इकाई-5 भारतीय ज्ञान एवं लोक-व्यवहार

1. . नैतिकता एवं सदाचरण

2. परिवारमें प्रचलित ज्ञान परंपरा
3. मौखिक ज्ञान एवं परस्पर संवाद और चर्चा

सम्भावित ग्रन्थ :

आधार ग्रन्थ :

1. **भाषा साहित्य एवं संस्कृति, संपादन, विमलेश कांति वर्मा, ओरियंट ब्लैकस्वान , नई दिल्ली।**
2. **भारतीय संस्कृति के मूल तत्व, शिवदास, राष्ट्रीय हिंदी साहित्य परिषद, नई दिल्ली।**
3. तुलसी काव्य में धर्म और आचरण का स्वरूप, डॉ चरणसखी शर्मा, प्रवीण प्रकाशन दिल्ली।
4. चंडी चरित्र, डॉ रामचन्द्र वर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
6. कबीर चिंतन, ब्रजभूषण शर्मा
7. भक्ति काव्य और लोक जीवन, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. गुरुनानक देव की धर्म साधना, प्रिया शर्मा, सतीश बुक डिपो, करोल बाग नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रन्थ :

9. राकेश भारतीय,हम और हमारी सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रीय हिंदी साहित्य परिषद, नई दिल्ली।
10. लोक संस्कृति: अवधारणा और तत्व, डॉ परशुराम शुक्ल विरही, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल।
11. लोक साहित्य, संपादक, डॉ संध्या गर्ग, डॉ संगीता गुप्ता, श्रुति बुक्स, गाजियाबाद।
12. हिंदी साहित्य में साँस्कृतिक संवेदना और मूल्यबोध,संपादक, दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय *विश्वविद्यालय, धर्मशाला*

स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम

प्रश्न-पत्र - *अनुवाद प्रौद्योगिकी*

पाठ्यक्रम का *उद्देश्य*

- विभिन्न ज्ञान अनुशासनों में अनुवाद प्रक्रिया का विकास करना।
- अनुवाद के माध्यम से अंग्रेजी पाठ्यक्रम की सामग्री को हिंदी में बदलना।
- अनुवाद को वर्तमान सांस्कृतिक, सामाजिक एवं प्रयोजनपरक प्रविधियों से जोड़ते हुए उसके व्यावहारिक पक्ष को विकसित करना।
- भारतीय एवं वैश्विक परिदृश्य में हिंदी को अनुवाद के माध्यम से सम्पन्न भाषा बनाना।
- अनुवाद अनुशासन को विदेशी और द्वितीय भाषा शिक्षण में एक प्रमुख उपकरण के रूप में विकसित करना।
- प्रतीकांतरण)Inter Semiotic Translation) का फिल्म, दूरदर्शन, आकाशवाणी एवं रंगमंच आदि में विकास करना।

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम
प्रश्न-पत्र - अनुवाद प्रौद्योगिकी

उत्तीर्णांक - 40

अधिकतम अंक - 100

4 क्रेडिट

08 कालखंड

इकाई - 1 विषय का सामान्य परिचय

अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा
भारत में अनुवाद परंपरा- ऐतिहासिक संदर्भ
पश्चिम में अनुवाद परंपरा - ऐतिहासिक संदर्भ
अनुवाद की प्रक्रिया नाइडा के अनुसार
अनुवाद के प्रकार : 1. माध्यम 2. प्रक्रिया 3. पाठ
अनुवादक की कुशलताएँ और योग्यता

08 कालखंड

इकाई - 2 आधुनिक अवधारणाएँ

सम संस्कृतिक और विषम संस्कृतिक भाषाओं मे परस्पर अनुवाद की समस्या :
भारतीय, विदेशीय तथा हिंदी के संदर्भ में
अनुवाद समीक्षा और अनुवाद मूल्यांकन में अंतर

08 कालखंड

इकाई - 3 अनुवाद की उपादेयता

विश्व संस्कृति के संदर्भ में
विश्व साहित्य के संदर्भ में
भारतीय साहित्य के संदर्भ में

08 कालखंड

इकाई - 4 अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष

बैंकिंग शब्दावली का अनुवाद
बैंकिंग पदनामों का अनुवाद
खेलकूद की शब्दावली का अनुवाद,
खेलकूद की अभिव्यक्तियों का अनुवाद
बाज़ार समाचार की शब्दावली का अनुवाद
बाज़ार समाचार की अभिव्यक्तियों का अनुवाद

08 कालखंड

इकाई - 5 कंप्यूटर का सामान्य परिचय और अनुप्रयोग

हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में संबंध
कंप्यूटर हार्डवेयर की इकाइयां
सॉफ्टवेयर एक परिचय
ओ.सी.आर. वाक् प्रौद्योगिकी, वर्तनी जाँचक, व्याकरण जॉचक आदि
मशीनी अनुवाद का ऐतिहासिक सदर्भ, मशीनी अनुवाद के प्रकार–मंत्रा, अनुवादक, आंग्ल भारती,मात्रा शक्ति, अनुसारक आदि।

सहायक - ग्रंथ

1. अनुवाद विज्ञान की भूमिका : कृष्णकुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन
2. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
3. अनुवाद कला: सिद्धांत और प्रयोग : कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद सिद्धांत की रूपेरखा : सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं प्रयोग : नगेन्द्र, (सं.) दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
6. अनुवाद के विविध आयाम; पूरनचंद टंडन, हरीश कुमार सेठी, नई दिल्ली: तक्षशिला प्रकाशन।
7. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग : प्रो. जो. गोपीनाथन, लोकभारती, दिल्ली
8. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य : रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. अनुवाद की नई परंपरा और आयाम - गोस्वामी, अन्नपूर्णा और प्रजापति
10. हिंदी भाषा की सामाजिक भूमिका: भोलानाथ तिवारी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
11. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. भाषाई अस्मिता और हिंदी : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. सूचना प्रौघोगिकी उपकरण एवं व्यावसायिक प्रणालियाँ, रवीन्द्र शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी
14. Linguistic Theory of Translation : J.C.Catford, Oxford University Press, London.
15. Language structure & Translation : Nida E.A.,Stanford University Press.
16. Translation &Translating : Roger T.Bell OUP, London
17. Approches to Translation Programme : Peter New Mark, Oxford U. Press
18. The Theory & Practice of Translation : Nida E.A.and Taber Charles, London.
19. Translation & Interpreting- (Ed.) R. Gargesh and K.K. Goswami,Orient Longman, New Delhi.

डॉ. ओमप्रकाश प्रजापति
सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय,
धर्मशाला, जिला - काँगड़ा, (हिमाचल प्रदेश)
ई-मेल : opmgahv@gmail.com
मोबाइल : 8962115238

प्रश्नपत्र : हिंदी भाषा एवं भाषाविज्ञान

4 क्रेडिट अधिकतम अंक - 200

मध्यावधि परीक्षा - 50 आंतरिक मूल्यांकन – 50 सत्रांत परीक्षा - 100)

इकाई – 1

भाषिक भूमंडलीकरण और हिंदी का व्यवहार क्षेत्र

भाषिक भूमंडलीकरण के संदर्भ में हिंदी

हिंदी का स्वरूप और क्षेत्र

हिंदी भाषी समाज : हिंदी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ

संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा और विश्वभाषा

कोड परिवर्तन एवं कोड मिश्रण

इकाई – 2

हिंदी की शैलियाँ : भाषा, बोली शैली

सामाजिक शैली : रूढ़िपरक, औपचारिक, सामान्य, अनौपचारिक और आत्मीय

संरचनात्मक शैली : संस्कृतनिष्ठ हिंदी, अरबी-फारसी मिश्रित हिंदी (उर्दू) सामान्य बोलचाल की हिंदी (हिंदुस्तानी) और अंग्रेजी मिश्रित हिंदी

इकाई - 3 : भाषा की प्रकृति और संरचना

भाषा की परिभाषा – यादृच्छिकता, ध्वनि-प्रतीक, व्यवस्था और परस्पर विचार-विमर्श।

भाषा के लक्षण और प्रकार्य

मानव भाषा और मानवेतर भाषा

उच्चरित भाषा और लिखित भाषा

भाषिक भूमंडलीकरण: अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र

इकाई - 4 : भाषाविज्ञान: स्वरूप और क्षेत्र

भाषाविज्ञान की परिभाषा और स्वरूप

भाषाविज्ञान के अंग

भाषाविज्ञान का क्षेत्र और उपादेयता

अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान से अभिप्राय, स्वरूप और शाखाएँ

इकाई – 5 पारिभाषिक शब्दावली

सामान्य शब्द और पारिभाषिक शब्द

पारिभाषिक शब्दावली: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार।

पारिभाषिक शब्दावली के लक्षण।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का भाषिक और सामाजिक परिदृश्य, कृष्ण कुमार गोस्वामी, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी स्थिति संदर्भ और प्रयुक्ति विश्लेषण; आरसराजु .एस., हैदराबाद: मिलिंद प्रकाशन।
3. शैक्षिक व्याकरण और व्यावहारिक हिंदी; कृष्ण कुमार गोस्वामी, दिल्ली: आलेख प्रकाशन।
4. आलेख आधुनिक हिंदी : विविध आयाम - कृष्ण कुमार गोस्वामी, दिल्ली: आलेख प्रकाशन।
5. हिंदी भाषा का सामाजिक संदर्भ: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और रमानाथ सहाय, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
6. हिंदी भाषा की सामाजिक भूमिका: भोलानाथ तिवारी, मुकुल प्रियदर्शनी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
7. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. भाषाई अस्मिता और हिंदी : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. उदय नारायण तिवारी, भाषाशास्त्र की रूपरेखा, भर्ती भंडार, इलाहाबाद
11. गोलोक बिहारी ढल, ध्वनि विज्ञान, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना
12. देवेंद्र नाथ शर्मा, भाषाविज्ञान की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. भोलानाथ तिवारी, भाषाविज्ञान, हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
14. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी और कृष्ण कुमार गोस्वामी, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

पाठ्यक्रम- हिंदी साहित्य का इतिहास (HIL 467)

इकाई प्रथम - साहित्येतिहास लेखन, काल विभाजन तथा आदिकाल

* साहित्येतिहास का महत्व, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा,
* हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन और नामकरण,
* हिंदी साहित्य का आरंभ, आदिकाल की पृष्ठभूमि,
* सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां

इकाई द्वितीय - भक्ति काल

* भक्ति आंदोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,
* संत काव्य धारा, प्रमुख प्रवृत्तियां एवं प्रतिनिधि कवि,
* सूफी काव्य धारा, प्रमुख प्रवृत्तियां एवं प्रतिनिधि कवि,
* राम भक्ति काव्य धारा, प्रमुख प्रवृतियां एवं प्रतिनिधि कवि,
* कृष्ण भक्ति काव्य धारा, प्रमुख प्रवृत्तियां एवं प्रतिनिधि कवि,
* भक्ति काल की उपलब्धियां एवं पतन के कारण

इकाई तृतीय - रीतिकाल

* रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और रीति काव्य,
* रीतिबद्ध काव्य धारा, प्रमुख प्रवृत्तियां एवं प्रतिनिधि कवि,
* रीति सिद्ध काव्य धारा, प्रमुख प्रवृत्तियां एवं महत्वपूर्ण कवि,
* रीतिमुक्त काव्यधारा, प्रमुख प्रवृतियां एवं महत्वपूर्ण कवि,

इकाई चतुर्थ - आधुनिक काल

* आधुनिक काल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,

* हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युगीन साहित्य की प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाकार

* द्विवेदी युगीन साहित्य की प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाकार

* छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियां एवं प्रमुख रचनाकार,

* प्रगतिवाद,प्रयोगवाद, नई कविता-प्रमुख प्रवृत्तियां एवं रचनाकार

इकाई पंचम - समकालीन साहित्य, हिंदी की गद्य विधाएं

* समकालीनता की अवधारणा, समकालीन हिंदी कविता,

* समकालीन हिंदी गद्य साहित्य,

* गद्य विधाएं - नाटक,कहानी, उपन्यास, निबंध,आत्मकथा,जीवनी,यात्रा वृतांत, संस्मरण का सामान्य परिचय,

संदर्भ सूची

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल,

2. हिंदी साहित्य का इतिहास - संपादक डॉ.नगेंद्र,

3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी,

4. हिंदी साहित्य:उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी

5. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी

6. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय

7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण - रामविलास शर्मा

8. हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

10. हिंदी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास - डॉ.भगीरथ मिश्र

11. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - नंददुलारे वाजपेई

12. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - बच्चन सिंह

13. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा

14. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ रामचंद्र तिवारी

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
मानविकी एवं भाषा संकाय
हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग
सेमेस्टर-1, प्रश्नपत्र - 4

पाठ्यक्रम कूट-संकेत:एच.आई.एल. (HIL)
पाठ्यक्रम शीर्षक-हिंदी काव्य :प्राचीन से आधुनिक काव्य श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय
पाठ्यक्रम विषयवस्तु

इकाई-1 (8 घंटे)

क) विद्यापति : प्रकृति वर्णन, भक्ति एवं श्रृंगार

ख) (पाठ विवेचन : सं रामवृक्ष बेनीपुरी, 'विद्यापति पदावली',वंदना :पद संख्या : 1,2, वय: संधि :पद संख्या 4,9,12, वसंत : पद संख्या 174,179)

इकाई-2 (8घंटे)

क) कबीर : सामाजिक चिंतन

ख) कबीर : पाठ विवेचन- [कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी (सम्पादन)-
पद संख्या : 160,163, 169,170,173

ग) तुलसी : समन्वय की भावना

घ) पाठ विवेचन - ['उत्तरकाण्ड- 'कलियुग वर्णन' (श्रीराम चरित मानस)

इकाई-3

(क) रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य

ख) बिहारी सतसई : श्रृंगार का काव्य

ग) बिहारी सतसई : पाठ विवेचन (बिहारी रत्नाकर दोहा संख्या 113 18 20 25

घ) घनानंद की बिरहानुभूति

इकाई-4 (8 घंटे)

हिंदी नवजागरण, छायावाद का साहित्यिक अवदान

जयशंकर प्रसाद : पाठ विवेचन कामायनी श्रद्धा सर्ग

सुमित्रानंदन पंत : सौंदर्य दृष्टि

पाठ विवेचन : 'प्रथम रश्मि' कविता

इकाई-5 (8 घंटे)

(क) निराला का काव्य : राष्ट्रीय जागरण का स्वर

(ख)रामधारी सिंह दिनकर का भारत बोध

(ग) रामधारी सिंह दिनकर :पाठ विवेचन उर्वशी तृतीय अंक

संभावित ग्रन्थ -

आधार ग्रन्थ :

1. विद्यापति -विद्यापति पदावली (सं सं नरेंद्र झा)
2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (सं) कबीर
3. जायसी ग्रंथावली, आचार्य रामचंद्र शुक्ल (सम्पादन)
4. तुलसीकृत श्रीराम चरित मानस
5. मीराबाई की पदावली', (सं विश्वनाथ त्रिपाठी)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल- हिन्दी साहित्य का इतिहास,काशी नागरी प्रचारिणी सभा काशी,1969
2. डॉ बच्चन सिंह -हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास,राधाकृष्ण प्रकाशन,1996
3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - हिन्दी साहित्य का आदिकाल,पटना,1961
4. डॉ. शिवप्रसाद सिंह- विद्यापति, लोक भारती प्रकाशन,इलाहाबाद,1976
5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह(सं)सं पृथ्वीराज रासो, साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद
6. डॉ. वासुदेव सिंह (सम्पादन) - आदिकालीन काव्य, विश्व विद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
7. सत्यदेव त्रिपाठी - मध्यकालीन कविता के सामाजिक सरोकार, शिल्पायन,शाहदरा,दिल्ली-110032
8. डॉ राधेश्याम दुबे - कबीर : कवि, साधक और समाज सुधार, किशोर विद्या निकेतन, वाराणसी

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम शीर्षक - हिंदी नाट्य साहित्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 469 (HIL 469) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 हिंदी नाटक: उद्भव और विकास

क) संस्कृत नाटकों की परम्परा

ख) हिंदी नाटक का आरंभ: स्वरूप एवं विकास

ग) भारतेंदु युगीन नाटकों की प्रवृत्तियां

घ) अंधेरनगरी का पाठ विवेचन

इकाई-2 जयशंकर प्रसाद एवं हिंदी नाटक

क) प्रसादयुगीन नाटकों की प्रमुख प्रवृत्तियां

ख) ध्रुवस्वामिनी नाटक का पाठ विश्लेषण एवं मूल्यांकन

ग) प्रसाद युगीन अन्य नाटककार

इकाई-3 धर्मवीर भारती एवं हिंदी नाटक

क) अंधायुग का पाठ विश्लेषण एवं समीक्षा

ख) धर्मवीर भारती की भाषा-शैली

ग) लोक नाट्य का साँस्कृतिक पक्ष

इकाई-4 मोहन राकेश एवं हिंदी नाटक

क) "आधे-अधूरे" नाटक का पाठ विश्लेषण एवं समीक्षा

ख) मोहन राकेश के नाटकों की वर्तमान युग में प्रासंगिकता

ग) समकालीन हिंदी नाटक

इकाई-5 कक्षा में नाटकों का अभिनय

क) पंजाबी से हिंदी मेंअनूदित नाटक "रिश्तों का क्या रखें नाम " की चर्चा

ख) नुक्कड़ नाटकों का अभिनय

ग) हिमाचल के लोक नाट्य

सम्भावित ग्रन्थ :

आधार ग्रन्थ :

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र, अंधेर नगरी, राष्ट्रीय हिंदी साहित्य परिषद, नई दिल्ली।
2. जयशंकर प्रसाद , ध्रुवस्वामिनी
3. धर्मवीर भारती, अंधा युग
4. मोहन राकेश, आधे-अधूरे
5. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, डॉ नरेंद्र मोहन, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
6. हिंदी नाटक: रंग शिल्प दर्शन, विकल गौतम, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
7. भारतीय लोक नाट्य, डॉ वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
8. हिमाचलके लोक नाट्य, संपादक, डॉ तुलसी रमण, हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी शिमला।
9. रिश्तों का क्या रखें नाम, आत्मजीत

संदर्भ ग्रन्थ :

10. रंग परंपरा: भारतीय नाट्य में निरंतरता और बदलाव, नैमिचन्द्रजैन, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
11. नाट्य के अक्षरबीज कुँवरजी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. नाट्य दर्शन, संगीतागुंदेचा, वाणी प्रकाशन दिल्ली।